

22/02

अकलाक लदीक रू० / कंत्रप के किर्कि
जांपउ ह्किप (किया जाता है) विस्तृत
किर्कि प्रक है लिखिया जाकर जुगाया
गया / फावली जोहाली में शुभप होकर मूल
गाड हिलक रहे।

उपखण्ड अधिकारी
सायासहनगर

